



|| श्री गणेशाय नमः ||

राशिफल

Sukanya Sharma

14/01/2004 02:40

Munger

द्वारा उत्पन्न



पुजारी जी

बुनियादी ज्योतिषीय विवरण

बुनियादी विवरण

| | |
|---------------|--------------------|
| जन्म की तारीख | 14/01/2004 |
| जन्म का समय | 02:40 |
| जन्म स्थान | Munger |
| अक्षांश | 25.3707993 |
| देशान्तर | 86.4733903 |
| समय क्षेत्र | 5.5 |
| अयनांश | 23.917731836917334 |
| सूर्योदय | 06:37:00 |
| सूर्यास्त | 17:08:59 |

घटक चक्र

| | |
|------------------|--|
| महीना | शनि |
| तिथि | 5 (पंचमी), 10 (दशमी), 15 (पूर्णिमा / अमावस्या) |
| विपरीत लिंग लग्न | कन्या |
| नक्षत्र | श्रवण |
| भगवान | बृहस्पति |
| समलिंगी लग्न | मीन |
| Tatva | आकाश |
| रासी | मिथुन |

पंचांग विवरण

| | |
|---------|---------|
| तिथि | सप्तमी |
| योग | अतिगंदा |
| नक्षत्र | हस्ता |
| करण | विष्णु |

ज्योतिषीय विवरण

| | |
|----------------|------------|
| वर्ण | वैश्य |
| वास्या | मानव |
| योनि | भेस |
| तिथि | कृ.शुप्तमी |
| नक्षत्राधिपति | चंद्रमा |
| नक्षत्र | हस्ता |
| प्रबल | वृश्चिक |
| Tatva | पृथ्वी |
| करण | बावा |
| नक्षत्र स्वामी | बुध |
| दलदल | सोना |
| नाम वर्णमाला | पू |
| रासी | कन्या |
| नाड़ी | वात |

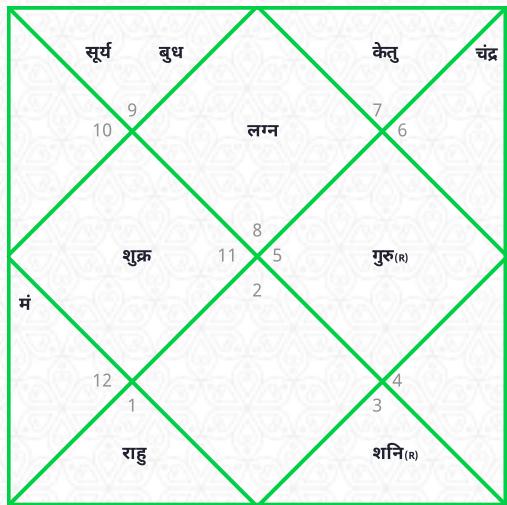
ग्रहों की स्थिति

| ग्रहों | आर | संकेत | डिग्री | साइन लॉर्ड | नक्षत्र | नक्षत्राधिपति | घर |
|----------|---------|--------------------|--------|------------|-------------------|---------------|----|
| लग्नश | वृश्चिक | 215.0702814670288 | | मंगल | अनुराधा(1) | शनि | 1 |
| सूर्य | धनु | 269.1075565596616 | | बृहस्पति | उत्तराषाढ़ा(1) | सूर्य | 2 |
| चंद्रमा | कन्या | 162.51204503882025 | | बुध | हस्ता(1) | चंद्रमा | 11 |
| मंगल | मीन | 353.16999387567535 | | बृहस्पति | रेवती(2) | बुध | 5 |
| बुध | धनु | 245.61702650636528 | | बृहस्पति | मुला(2) | केतु | 2 |
| बृहस्पति | सिंह | 144.8312962177077 | | सूर्य | पूर्वाफाल्गुनी(4) | शुक्र | 10 |
| शुक्र | कुंभ | 305.0736144207772 | | शनि | धनिस्ता(4) | मंगल | 4 |
| शनि | मिथुन | 74.78776337324868 | | बुध | आर्द्र(3) | राहु | 8 |
| राहु | मेष | 23.130905056544773 | | मंगल | भरानी(3) | शुक्र | 6 |
| केतु | तुला | 203.13090505654475 | | शुक्र | विशाखा(1) | बृहस्पति | 12 |

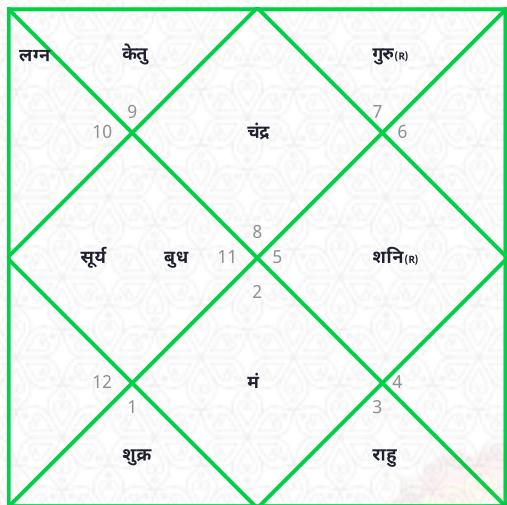
| | | |
|--|---|--|
|  सूर्य धनु उत्तराषाढ़ा(1) लाभकारी |  चंद्रमा कन्या हस्ता(1) अत्यधिक लाभकारी |  मंगल मीन रेवती(2) लाभकारी |
|  बुध धनु मुला(2) अत्यधिक नुकसानदायक |  बृहस्पति सिंह पूर्वाफाल्गुनी(4) लाभकारी |  शुक्र कुंभ धनिस्ता(4) मारक |
|  शनि मिथुन आर्द्र(3) नुकसानदायक |  राहु मेष भरानी(3) अशुभ |  केतु तुला विशाखा(1) अशुभ |

राशिफल चार्ट

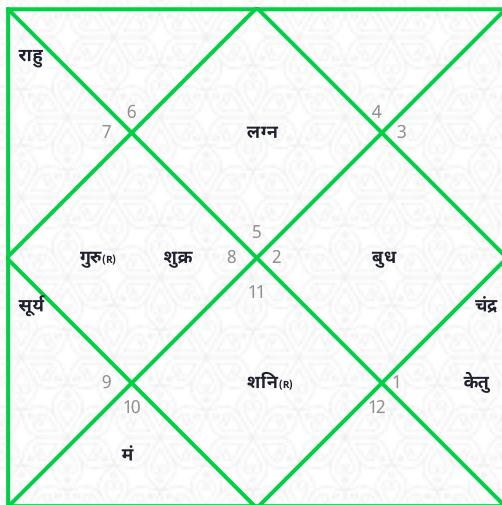
लग्न कुंडली (जन्म कुंडली)



लग्न या लग्न, उस राशि की डिग्री है जो जन्म के समय पूर्वी क्षितिज पर उदित हो रही है। लग्न जन्म कुंडली में सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण राशि है। इस राशि को कुंडली का पहला घर माना जाएगा और अन्य घरों की गणना राशि चक्र की बाकी राशियों के अनुसार क्रम से की जाएगी। इस प्रकार, लग्न न केवल उदीयमान चिन्ह को चित्रित करता है, बल्कि चार्ट के अन्य सभी घरों को भी चित्रित करता है।



चंद्र कुंडली



नवमांश चार्ट(D9)

चंद्र चार्ट भविष्यवाणी का एक महत्वपूर्ण उपकरण है और ग्रह संयोजनों के परिणाम तब अधिक प्रमुख होते हैं जब योग या कुछ संयोजन चंद्रमा और लग्न चार्ट दोनों में होते हैं।

नवमांश चार्ट सबसे महत्वपूर्ण मंडल चार्ट है, नवमांश का अर्थ है एक विशेष राशि के नौ भाग जिसमें प्रत्येक अम्सा में 3 डिग्री और 20 मिनट होते हैं।

समग्र मैत्री तालिका

स्थायी मित्रता

| ग्रहों | सूर्य | चंद्रमा | मंगल ग्रह | बुध | बृहस्पति | शुक्र | शनि ग्रह |
|-----------|--------|---------|-----------|--------|----------|--------|----------|
| सूर्य | -- | दोस्त | -- | तटस्थ | दोस्त | दुश्मन | -- |
| चंद्रमा | दोस्त | -- | -- | दोस्त | तटस्थ | तटस्थ | -- |
| मंगल ग्रह | दोस्त | दोस्त | -- | दुश्मन | दोस्त | तटस्थ | -- |
| बुध | दोस्त | दुश्मन | -- | -- | तटस्थ | दोस्त | -- |
| बृहस्पति | दोस्त | दोस्त | -- | दुश्मन | -- | दुश्मन | -- |
| शुक्र | दुश्मन | दुश्मन | -- | दोस्त | तटस्थ | -- | -- |
| शनि ग्रह | दुश्मन | दुश्मन | -- | दोस्त | तटस्थ | दोस्त | -- |

अस्थायी मित्रता

| ग्रहों | सूर्य | चंद्रमा | मंगल ग्रह | बुध | बृहस्पति | शुक्र | शनि ग्रह |
|-----------|--------|---------|-----------|--------|----------|--------|----------|
| सूर्य | -- | दोस्त | -- | दुश्मन | दुश्मन | दोस्त | -- |
| चंद्रमा | दोस्त | -- | -- | दोस्त | दोस्त | दुश्मन | -- |
| मंगल ग्रह | दोस्त | दुश्मन | -- | दोस्त | दुश्मन | दोस्त | -- |
| बुध | दुश्मन | दोस्त | -- | -- | दुश्मन | दोस्त | -- |
| बृहस्पति | दुश्मन | दोस्त | -- | दुश्मन | -- | दुश्मन | -- |
| शुक्र | दोस्त | दुश्मन | -- | दोस्त | दुश्मन | -- | -- |
| शनि ग्रह | दुश्मन | दोस्त | -- | दुश्मन | दोस्त | दुश्मन | -- |

समग्र मैत्री तालिका

पांच प्रकार की मित्रता

| ग्रहों | सूर्य | चंद्रमा | मंगल ग्रह | बुध | बृहस्पति | शुक्र | शनि ग्रह |
|-----------|--------------|--------------|-----------|--------------|----------|--------------|----------|
| सूर्य | -- | अंतरंग | -- | दुश्मन | तटस्थ | तटस्थ | -- |
| चंद्रमा | अंतरंग | -- | -- | अंतरंग | दोस्त | दुश्मन | -- |
| मंगल ग्रह | अंतरंग | तटस्थ | -- | तटस्थ | तटस्थ | दोस्त | -- |
| बुध | तटस्थ | तटस्थ | -- | -- | दुश्मन | अंतरंग | -- |
| बृहस्पति | तटस्थ | अंतरंग | -- | कट्टर दुश्मन | -- | कट्टर दुश्मन | -- |
| शुक्र | तटस्थ | कट्टर दुश्मन | -- | अंतरंग | दुश्मन | -- | -- |
| शनि ग्रह | कट्टर दुश्मन | तटस्थ | -- | तटस्थ | दोस्त | तटस्थ | -- |

विंशोत्तरी दशा - 1

| चंद्रमा | | मंगल | | राहु | |
|----------|----------------|---------------------|--------------------|----------|-----------------|
| रवि | दिसंबर 15 2002 | बुद्ध जुलाई 11 2012 | मंगल फरवरी 12 2019 | सोम | अक्टूबर 25 2021 |
| सोम | फरवरी 13 2012 | मंगल | जुलाई 11 2012 | रवि | फरवरी 08 2037 |
| चंद्रमा | दिसंबर 15 2002 | राहु | जुलाई 29 2013 | राहु | अक्टूबर 25 2021 |
| मंगल | जुलाई 16 2003 | बृहस्पति | जुलाई 05 2014 | बृहस्पति | मार्च 19 2024 |
| राहु | जनवरी 14 2005 | शनि | अगस्त 14 2015 | शनि | जनवरी 23 2027 |
| बृहस्पति | मई 16 2006 | बुध | अगस्त 10 2016 | बुध | अगस्त 11 2029 |
| शनि | दिसंबर 15 2007 | केतु | जनवरी 06 2017 | केतु | अगस्त 29 2030 |
| बुध | मई 15 2009 | शुक्र | मार्च 08 2018 | शुक्र | अगस्त 28 2033 |
| केतु | दिसंबर 14 2009 | सूर्य | जुलाई 14 2018 | सूर्य | जुलाई 23 2034 |
| शुक्र | अगस्त 14 2011 | चंद्रमा | फरवरी 12 2019 | चंद्रमा | जनवरी 22 2036 |
| सूर्य | फरवरी 13 2012 | | | मंगल | फरवरी 08 2037 |

| बृहस्पति | | शनि | | बुध | |
|----------|-----------------|----------|-----------------|----------|----------------|
| मंगल | मार्च 29 2039 | मंगल | फरवरी 08 2056 | शनि | जून 30 2074 |
| बुद्ध | फरवरी 05 2053 | मंगल | फरवरी 02 2072 | गुरु | जनवरी 27 2089 |
| बृहस्पति | मार्च 29 2039 | शनि | फरवरी 08 2056 | बुध | जून 30 2074 |
| शनि | अक्टूबर 09 2041 | बुध | अक्टूबर 17 2058 | केतु | जून 27 2075 |
| बुध | जनवरी 14 2044 | केतु | नवंबर 26 2059 | शुक्र | अप्रैल 26 2078 |
| केतु | दिसंबर 20 2044 | शुक्र | जनवरी 25 2063 | सूर्य | मार्च 02 2079 |
| शुक्र | अगस्त 20 2047 | सूर्य | जनवरी 07 2064 | चंद्रमा | जुलाई 31 2080 |
| सूर्य | जून 07 2048 | चंद्रमा | अगस्त 07 2065 | मंगल | जुलाई 28 2081 |
| चंद्रमा | अक्टूबर 07 2049 | मंगल | सितंबर 16 2066 | राहु | फरवरी 14 2084 |
| मंगल | सितंबर 13 2050 | राहु | जुलाई 22 2069 | बृहस्पति | मई 21 2086 |
| राहु | फरवरी 05 2053 | बृहस्पति | फरवरी 02 2072 | शनि | जनवरी 27 2089 |

विंशोत्तरी दशा - 2

| केतु | | शुक्र | | सूर्य | |
|---------------------|----------------|--------------------|---------------|---------------------|----------------|
| शनि जून 25 2089 | | गुरु मई 28 2099 | | मंगल मई 12 2116 | |
| शुक्र जनवरी 27 2096 | | गुरु जनवरी 23 2116 | | शुक्र जनवरी 23 2122 | |
| केतु | जून 25 2089 | शुक्र | मई 28 2099 | सूर्य | मई 12 2116 |
| शुक्र | अगस्त 25 2090 | सूर्य | मई 28 2100 | चंद्रमा | नवंबर 11 2116 |
| सूर्य | दिसंबर 31 2090 | चंद्रमा | जनवरी 26 2102 | मंगल | मार्च 19 2117 |
| चंद्रमा | अगस्त 01 2091 | मंगल | मार्च 28 2103 | राहु | फरवरी 11 2118 |
| मंगल | दिसंबर 28 2091 | राहु | मार्च 27 2106 | बृहस्पति | नवंबर 30 2118 |
| राहु | जनवरी 14 2093 | बृहस्पति | नवंबर 24 2108 | शनि | नवंबर 12 2119 |
| बृहस्पति | दिसंबर 21 2093 | शनि | जनवरी 24 2112 | बुध | सितंबर 17 2120 |
| शनि | जनवरी 30 2095 | बुध | नवंबर 23 2114 | केतु | जनवरी 23 2121 |
| बुध | जनवरी 27 2096 | केतु | जनवरी 23 2116 | शुक्र | जनवरी 23 2122 |

वर्तमान चल रही दशा

| दशा नाम | ग्रहों | आरंभ करने की तिथि | अंतिम तिथि |
|-------------|--------|----------------------------------|----------------------------------|
| महादशा | राहु | गुरु फरवरी 14 2019 रात 12:00 बजे | शनि फरवरी 14 2037 रात 12:00 बजे |
| अंतर्दशा | शनि | गुरु मार्च 21 2024 रात 10:00 बजे | मंगल जनवरी 26 2027 रात 11:00 बजे |
| पर्यातर्दशा | शनि | गुरु मार्च 21 2024 रात 10:00 बजे | सोम सितंबर 02 2024 शाम 5:57 बजे |
| शुक्रशमदाशा | राहु | गुरु जुलाई 18 2024 रात 1:06 बजे | रवि अगस्त 11 2024 शाम 6:29 बजे |
| प्रणादशा | राहु | गुरु जुलाई 18 2024 रात 1:06 बजे | रवि जुलाई 21 2024 शाम 6:06 बजे |

* नोट: सभी तिथियां दशा की समाप्ति तिथि दर्शाती हैं।

लग्न रिपोर्ट



लग्न रिपोर्ट : वृश्चिक

| | |
|----------------|--------------------|
| विशेषताएँ | स्थिर, जलमय, उत्तर |
| भाग्यशाली रत्न | लाल मूँगा |
| भगवान् | मंगल |
| प्रतीक | बिच्छू |
| उपवास का दिन | मंगलवार |

| ॐ अंगारकाय विद्धाहे सकलायुध हस्ताय धीमहि तत्रो भौमः प्रचोदयात् ॥

सभी लग्नों के वफादार और भावुक, आप होंगे। आप हर समय युवा दिखाई देंगे। अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ, आप पूरी दुनिया को जीत सकते हैं या इसे नष्ट कर सकते हैं, इस तरह आप चुनते हैं। आप प्राकृतिक नेता हैं और सक्षम हैं अपने साथियों के साथ सहानुभूति रखना। खराब संयोजन के साथ आपको अपने जीवनसाथी के साथ स्वभाव के मुद्दे होंगे। आप हमेशा जिज्ञासु होते हैं और उन चीजों को जानना चाहते हैं जिन्हें दूसरे तलाशने की हिम्मत करेंगे। कभी-कभी आप भावनात्मक पक्ष से कमजोर हो जाते हैं

आपके पास एक गहन और परिवर्तनकारी प्रकृति है जो गहन सत्य और अनुभवों की तलाश करती है। आपमें छुपी गहराइयों को उजागर करने की शक्ति है।

जबसे भगवन लग्नेश 5 गृह मे है। आप राशि चक्र के सैनिक होंगे। आप एक शिक्षाविद, एक कलात्मक व्यक्ति या यहां तककि खेल से संबंधित व्यक्ति भी हो सकते हैं। आपको एक लड़ाकू बनना होगा और खुद को साबित करने के लिए लड़ना होगा। आप करेंगे आत्म-प्रचार में सावधान रहना होगा।

लग्न रिपोर्ट

आध्यात्मिक सलाह

अपने आध्यात्मिक पथ पर परिवर्तन और आंतरिक परिवर्तन को अपनाएं। ध्यान और आत्मनिरीक्षण के माध्यम से आत्म-खोज की तलाश करें।

सकारात्मक लक्षण

भावुक

साधन संपन्न

दृढ़ निश्चयी

सहज ज्ञान युक्त

नकारात्मक लक्षण

ईर्ष्यातु

क्रोधी

जोड़-तोड़ करने वाला

जुनूनी



धन्यवाद



पुजारी जी

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया संपर्क करें